प्रधानमंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : सभापति जी इस सदन में और उस सदन में भी यह प्रश्न लगातार उठता रहा है और सदस्यों की आलोचना का निशाना बना है। जब देश में अनाज के भंडार भरे हैं तो फिर लोग भूख से क्यों मर रहे हैं। मेरा एक निवेदन है कि सब मरने वालों के बारे में यह कहना कि वह भूख से मर रहे हैं यह तथ्यों के अनुरूप नहीं है। लेकिन जहां अनाज पहुंचता नहीं है जैसा आपने प्रश्न खड़ा किया केन्द्र में अनाज है, अनाज प्रदेशों में चला जाता है और अब प्रदेश को उसके वितरण की व्यवस्था करनी है। इसमें कहीं न कहीं चूक हो रही है। इसके लिए कई प्रयोग करके देखे गए कि पंचायतों को दें या गैर-सरकारी संस्थाओं का सहयोग प्राप्त करें। मैं इस सवाल पर सर्वदलीय बैठक बुलाने के लिए तैयार हूं और सदस्यों से मार्गदर्शन चाहूंगा।

*245. [The questioner (Shri Drupad Borgohain) was absent. For answer *vide* page 28 infra]

*246. [The questioner (Dr. Alladi P. Rajkumar) was absent. For answer *vide* page 29 infra]

*247. [The questioner (Dr. Prabha Thakur) was absent. For answer *vide* page 29 infra]

*248. [The questioner (Shri P. Prabhakar Reddy) was absent. For answer *vide* page 30 infra]

राष्ट्रीय राजमार्गों के रखरखाव की लागत

*249. **श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन'**:†
श्री कपिल सिब्बल:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 58112 कि.मी. है;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं और प्रत्येक राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई कितनी-कितनी है; और

(ग) सरकार द्वारा प्रत्येक राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की प्रति वर्ष मरम्मत और इसके रखरखाव पर औसतन कितना व्यय किया जाता है?

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के राज्य मंत्री [मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खन्डूड़ी]: (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है।

---

†सभा में यह प्रश्न श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' द्वारा पूछा गया।

विवरण

(क) जी हां।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों के रखरखाव और मरम्मत के लिए प्रति वर्ष औसतन 740 करोड़ रु. आबंटित किए गए हैं। वर्ष 2002-03 के दौरान आबंटित धनराशि के राज्य-वार/एजेंसी-वार ब्योरे विवरण-I में दिए गए हैं।

विवरण-I

वर्ष 2002-03 के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों के अनुरक्षण और मरम्मत हेतु धनराशि का आबंटन

(लाख रु०)

क्रम सं.	राज्य/संघ राज्य/एजेंसी	वर्ष 2002-03 के दौरान आबंटन
1	आंध्र प्रदेश	3961.09
2	अरुणाचल प्रदेश	31
3	असम	2921.61
4	बिहार	4774.83
5	चंडीगढ़	74
6	छत्तीसगढ़	2529.83
7	दिल्ली	40
8	गोवा	476.92
9	गुजरात	2468.83
10	हरियाणा	1379.87
11	हिमाचल प्रदेश	1514
12	जम्मू और कश्मीर	172.44
13	झारखंड	1746.53
14	कर्नाटक	3868.45
15	केरल	2454.62
16	मध्य प्रदेश	6002.59
17	महाराष्ट्र	4796.95
18	मणिपुर	572.38
19	मेघालय	869.91
20	मिजोरम	547.91

(लाख रु. में)

क्रम सं.	राज्य/संघ राज्य/एजेंसी	वर्ष 2002-03 के दौरान आबंटन
21	नगालैंड	276.36
22	उड़ीसा	4658.14
23	पांडिचेरी	82
24	पंजाब	1958.87
25	राजस्थान	4935.86
26	तमिलनाडू	4486.38
27	उत्तर प्रदेश	6354
28	उत्तरांचल	1338.01
29	पश्चिम बंगाल	1722.61
30	बी आर डी बी	896
31	एन एच ए आई	10700
32	आवंटित की जानी है	1335.01
	जोड़	**79947.00**

Maintenance Cost of National Highways

†*249. SHRI RAJIV RANJAN SINGH 'LALAN':††
SHRI KAPIL SIBAL:

Will the Minister of ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that length of the national highways in the country is 58112 kilometres;

(b) if not, the facts in this regard, including the length of national highways in each State; and

(c) the average repair and maintenance cost incurred per year by Government on the national highways in each State?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS (MAJ. GEN. (RETD.) B.C.KHANDURI): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

†Original notice of the question was received in Hindi.

††The question was actually asked on the floor of the House by Shri Rajiv Ranjan Singh 'Lalan'.

(b) Does not arise.

(c) In the last three years on an average an amount of Rs. 740 crore has been allocated per year for maintenance and repair of National Highways. State-wise/Agency-wise allocation of funds during 2002-03 are annexed as Statement-I.

Statement-I

Allocation of funds for maintenance and repairs of National Highways during 2002

(Rs. in lakhs)

Sl.No.	State/UT/agency	Allocation during 2002-03
1	2	3
1	Andhra Pradesh	3961.09
2	Arunachal Pradesh	31
3	Assam	2921.61
4	Bihar	4774.83
5	Chandigarh	74
6	Chhattisgarh	2529.83
7	Delhi	40
8	Goa	476.92
9	Gujarat	2468.83
10	Haryana	1379.87
11	Himachal Pradesh	1514
12	Jammu and Kashmir	172.44
13	Jharkhand	1746.53
14	Karnataka	3868.45
15	Kerala	2454.62
16	Madhya Pradesh	6002.59
17	Maharashtra	4796.95
18	Manipur	572.38
19	Meghalaya	869.91

1	2	3
20	Mizoram	547.91
21	Nagaland	276.36
22	Orissa	4658.14
23	Pondicherry	82
24	Punjab	1958.87
25	Rajasthan	4935.86
26	Tamil Nadu	4486.38
27	Uttar Pradesh	6354
28	Uttaranchal	1338.01
29	West Bengal	1722.61
30	BRDB	896
31	NHAI	10700
32	To be allocated	1335.01
	TOTAL	79947.00

श्री राजीव रंजन सिंह ''ललन'': सभापति महोदय, प्रश्न पूछने से पहले मुझे आपका संरक्षण चाहिए क्योंकि माननीय मंत्री महोदय ने जो उत्तर दिया है...(**व्यवधान**)

श्री सभापति: आप क्वेश्चन कर लीजिए अपने आप ही संरक्षण मिल जाएगा।

श्री राजीव रंजन सिंह ''ललन'': मेरे प्रश्न का उत्तर ही नहीं आया।

श्री सभापति: आप भूमिका बनाओगे तो संरक्षण नही मिलेगा, क्वेश्चन पूछोगे तो संरक्षण मिलेगा।

श्री राजीव रंजन सिंह ''ललन'': स्टेटमेंट में उत्तर आया ही नहीं है।

श्री सभापति: तो यही प्रश्न पूछ लीजिए कि उत्तर क्यों नहीं आया।

श्री राजीव रंजन सिंह ''ललन'': मैंने प्रश्न पूछा था कि प्रत्येक राज्यवार राष्ट्रीय राजमार्गों की लम्बाई कितनी है। उत्तर है प्रश्न नही उठता। अब जब प्रत्येक राज्यवार इन्होंने राजमार्गों की लम्बाई ही नहीं बताई तो हम प्रश्न कहां से पूछें। लेकिन सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि विशेषकर वहां बिहार में कितने किलोमीटर राजमार्ग हैं और उसमें नए राजमार्गों और पुराने राजमार्गों की लम्बाई कितनी है?

MAJ. GEN. (RETD.) B.C.KHANDURI: Sir, let me first clarify the first part. आपने कहा है कि प्रश्न का जवाब ही नहीं दिया है। मैं सदन से निवेदन करना चाहता हूं कि प्रश्न और जवाब पढ़ लिया जाए। इनका प्रश्न यह है कि:

"whether it is a fact that length of the national highways in the country is 58112 kms.;

if not, the facts in this regard, including the length of national highways in each State."

With regard to part (a), I have said, "yes; it is 58112 kms." Now, where is the question of 'if not' then? That means it does not apply. The hon. Member could have asked about the length of national Highways in each State. But the hon. Member's question was 'if it is not 58112 kms.' When I have said "yes" in reply to part (a), where is the need for giving any information? Therefore, I have said, "it does not arise" ...(*Interruptions*).. I have given the information. ...(*Interruptions*).. It is not proper to say that I have not given the information.

आपने पूछा है कि बिहार में कितना है। 3312 किलोमीटर आज बिहार के अंदर राष्ट्रीय राजमार्ग हैं जहां तक पूरे देश में राष्ट्रीय राजमार्ग का प्रश्न है तो माननीय सभापति महोदय, देश के अंदर आज 58112 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग हैं। आजादी से, 1947 से लेकर, 50 साल तक 1997 तक जो राष्ट्रीय राजमार्ग बढ़ाए गए, जोड़े गए हैं, वह 12858 किलोमीटर थे। हमने, इस सरकार ने पिछले तीन साल, चार साल के अंदर 23814 किलोमीटर राजमार्ग जोड़ दिए हैं जो करीब दुगने हैं और उसमें बिहार का भी हिस्सा है। अत: यह कहना कि राष्ट्रीय राजमार्ग नहीं जोड़े जा रहे हैं तो उचित नहीं है। 58112 किलोमीटर में से मात्र 23814 किलोमीटर तीन-चार सालों में जोड़े गए हैं। इसलिए बिहार को भी उसका शेयर मिला है।

श्री राजीव रंजन सिंह ''ललन'': सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव के लिए, मेंटीनेंस के लिए सरकार का क्या क्राइटेरिया है? प्रत्येक किलोमीटर के लिए क्या कोई मानदंड इन्होंने निर्धारित किया है कि प्रत्येक वर्ष या आल्टरनेटिव ईयर में किस दर से, कितना मैंटीनेंस देते हैं, कैसे देते हैं, कैसे मेंटीनेंस के लिए राशि आवंटित करते हैं ?

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खन्डूड़ी: माननीय सभापति महोदय, मैंटीनेंस के लिए इंडियन रोड कांग्रेस के द्वारा जो मानक बनाए हुए हैं, उनको हम फोलो करते हैं। इसके लिए राष्ट्रीय राजमार्ग जो सिंगल लेन हैं, एक लेन वाले हैं, मैदानी इलाके के उनको दो लाख प्रति किलोमीटर और जो पहाड़ी इलाके के हैं, उनको 3.4 लाख प्रति किलोमीटर के हिसाब से धनराशि आवंटित होती है। अगर वह डबल लेन मैदानी एरिया में है तो 4.9 लाख प्रति किलोमीटर और पहाड़ी इलाके में है तो 8.6। लाख प्रति किलोमीटर के हिसाब से धनराशि आवंटित होती है। अगर

वह चार लेन का है तो मैदानी इलाके के लिए 8 लाख प्रति किलोमीटर और पहाड़ी इलाके में 14.03 लाख प्रति किलोमीटर के हिसाब से पैसा आवंटित होता है। इस हिसाब से हमको 22 सौ करोड़ रुपया प्रति वर्ष मैंटीनेंस के लिए मिलना चाहिए। लेकिन कई सालों से इस प्रकार से चल रहा है कि हमको बहुत कम मिलता है। इस साल 799 करोड़ रुपया मिला है, करीब 45 परसेंट हमको जो अधिकृत है, उसका मिलता है। हमेशा यह समस्या रहती है कि राजमार्गों के मैंटीनेंस के लिए कितना पैसा दिया जाए और कितना न दिया जाए।

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, I would like to seek a clarification from the hon. Minister. When he said that during the last four years, 23,814 kms. have been added to the National Highways, I would like to know whether these 23,814 kms. include the expansion programme—laying additional lanes on the existing National Highways. For example, most of the roads on the National Highway No. 2 have been converted into four-lane roads. I would like to know whether this additionality includes the improvement of the existing National Highways or they are absolutely new roads.

MAJ. GEN. (RETD.) B.C. KHANDURI: Sir, the total length of 58,112 kms. includes conversion of the existing State Highways or other highways into National Highways. That is the procedure. In every year or in every two or three years, the States...

SHRI PRANAB MUKHERJEE: I wanted to know this because you tried to make a comparison with what had been done between 1947 and 1997, and you said that you have doubled this during the last three or four years, which is, factually, not correct, because the State Highways have been converted, the existing National Highways have been expanded, and taking into account all these figures, you are having an additional 23,814 kms.

MAJ. GEN. (RETD.) B.C. KHANDURI: Sir, I would like to submit a point. I may be pardoned. This statement is, factually, incorrect. The procedure followed all these years—from 1947 till date—is, the State Governments request the Centre, and the Centre...

SHRI PRANAB MUKHERJEE: I am fully aware of the procedure. I have got the reply. I am fully aware of the procedure because, twenty years ago, I was holding charge of the same Ministry which you are holding now.

MAJ. GEN. (RETD.) B.C. KHANDURI: Sir, I am thankful that the Ministry is still running very well. When I compare 12,858 kms. with 23,814 kms., the norms are exactly the same. So, it is incorrect to say that I am comparing two different issues. The way 12,858 kms. were converted during 1947—97, the same procedure was followed in converting 23,814 kms., which I had mentioned.

डा. कुमकुम राय: सभापति महोदय, धन्यवाद। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि क्या राष्ट्रीय राजमार्गों का जो निर्माण होता है, उसके साथ-साथ फुटपाथ के रूप में बगल में जो खडंजा बनाया जाता है, वह भी इसमें शामिल होता है या नहीं होता है? क्योंकि जनरली यह देखा जाता है कि जो राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, उनमें आबादी के हिसाब से वाहनों की संख्या काफी अधिक बढ़ गई है और बगल के फुटपाथ से सहयोग न मिलने के कारण दुर्घटनाएं ज्यादा होती हैं, खासतौर से बिहार जहां पर हर साल बाढ़ आती है...।

श्री सभापति: ठीक है, आप प्रश्न कर लीजिए।

डा॰ कुमकुम राय: सर, माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में पहाड़ी इलाकों और समतल इलाकों को मैंटीनेंस के लिए आवंटित होने वाली धनराशि के बारे में बताया है, लेकिन आपने यह नहीं बताया कि जिन राज्यों में बाढ़ के कारण हमेशा सड़कें टूट-फूट जाती हैं, उनकी मरम्मत और रख-रखाव के लिए क्या आपने अलग से पैसा रखा है या नहीं? और फुटपाथ साथ में बनाया जाता है या नही? अगर नहीं तो राष्ट्रीय राजमार्ग बनाते समय फुटपाथ को भी इसमें शामिल कर लिया जाए।

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खन्डूड़ी: माननीय सभापति जी, बाढ़ का सवाल उठा है, मैंने जो दो लाख या जो भी आंकड़े दिये हैं, उनमें चार प्रकार के मैंटेनेंस के लिए भी पैसा रखा गया है। मैं उसका विवरण आपको दे देता हूं। दो लाख के या जो भी आंकड़े मैंने आपको दिये हैं, उसमें ऑर्डीनरी रिपेयर के लिए एक हिस्सा है, पीरियॉडीकल रिपेयर्स के लिए एक हिस्सा है, बाढ़ से जो नुकसान होता है, उसके लिए एक हिस्सा है और स्पैशल रिपेयर्स के लिए एक हिस्सा है। ये चार हिस्से मिलाकर जो आंकड़े मैंने आपको दिये हैं, उनका इन पर खर्च होता है। इस प्रकार बाढ़ के लिए भी इसके अंदर व्यवस्था कर दी गयी है। जहां तक कनैक्टिंग रोड्स हैं, राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ती हुई सड़कें हैं, वह स्टेट गवर्नमेंट की तरफ से बनायी जाती हैं और हम लोग सिर्फ उसी सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग पर.....

डा॰ कुमकुम राय: महोदय,मैंने फुटपाथ के विषय में कहा था, सड़क के किनारे के संबंध में कहा था।

श्री सभापति: ठीक है अब हो गया।

मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चन्द्र खण्डूरी: माननीय सभापति जी, सड़क के अलग हिस्से हैं। एक कैरिज वे है, जो ब्लैक टॉप होती है, उसके ऊपर हार्ड शोल्डर्स होते हैं और जहां पर जगह होती है, उस पर फुटपाथ भी बनाए जाते हैं। इस प्रकार इस सीमा तक हम बनाते हैं।

*250. [The questioner (Shri Harendra Singh Malik) was absent for answer *vide* page .....*infra*].

*251. [The questioners (Dr. Karan Singh And Shri Santosh Bagrodia) were absent. For answer *vide* page .....*infra*].

Promotion of IT

*252. SHRI SANJAY NIRUPAM: Will the Minister of COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) whether the Chief of Microsoft has offered Rs. 2000 crore to his Ministry to promote Information Technology in the country; and

(b) if so, what are Government's plans to disburse the funds?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI PRAMOD MAHAJAN): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

श्री संजय निरुपम: सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी का जवाब बहुत ही अच्छा है।

श्री सभापति: आपका सवाल अच्छा है तो उत्तर भी अच्छा ही होगा।

श्री संजय निरुपम: महोदय, सवाल पूछने में थोड़ा सा दोष हो गया। उस दोष को दूर करते हुए एक सवाल उनके सामने रखना चाहता हूं कि दो हजार करोड़ रुपये माइक्रोसॉफ्ट के प्रमुख हैं, बिल गेट्स साहब ने यहां पर आने के बाद अनाउंस किए और मिनिस्ट्री को नहीं दिया था। मुझे अखबारों के जरिये से ऐसा लगा था कि शायद मिनिस्ट्री को दिया है। प्रश्न पूछने के पीछे जो विचार है, वह यह है कि आखिर यह दो हजार करोड़ रुपये हिन्दुस्तान में निवेश करने के पीछे बिल गेट्स महोदय का क्या इरादा है? क्या चाइनिज़ सॉफ्टवेयर लाइनैक्स, जो कि फ्री में है, मुफ्त है, वह हिन्दुस्तान में प्रवेश कर रहा है, प्रवेश करना चाह रहा है, उसको रोकने के लिए और ऐग्रेसिव मार्किटिंग करने के ख्याल से यह निवेश तो नहीं हुआ है?

श्री प्रमोद महाजन : सभापति महोदय, मैं प्रश्न का आदर करता हूं लेकिन मेरे लिए यह मुश्किल है कि बिल गेट्स साहब यह निवेश क्यों कर रहे हैं, इसका जवाब मैं दूं। बिल गेट्स साहब तो इसका जवाब दे सकते हैं, लेकिन मैं दूं, यह मेरे लिए मुश्किल है। सरकार अगर कोई संबंध बिल गेट्स से रख रही है, वहां तक मैं प्रश्न का उत्तर दे सकता हूं। जहां तक सदस्य ने लाइनैक्स की बात की है,